मगध विश्वविधालय, बोधगया

त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

(कला, विज्ञान और वाणिज्य, सामान्य एवं प्रतिष्ठा तथा अहिन्दी भाषियों के लिए)

2011 - 2012 से प्रभावी

विशेष :-

1. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के (कला, विज्ञान और वाणिज्य) विधार्थियों के लिए सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना) का 100 अंको का और हिन्दीतर भाषियों के लिए 50 अंको का प्रश्न पत्र अनिवार्य है । 100 अंको के हिन्दी रचना पत्र का उत्तीर्णांक 33 और 50 अंको के हिन्दी रचना के उत्तीर्णांक 17 निर्धारित है ।
2. वैकल्पिक भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले स्नातक पास एवं अनुषंगिक (सब्सिडियरी) के विधार्थियों के लिए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में प्रत्येक के लिए हिन्दी साहित्य का 100 अंको का प्रश्न पत्र निर्धारित है ।
3. पास कोर्स के विधार्थियों के लिए तृतीय वर्ष में v 100 अंकों का हिन्दी साहित्य का एक पत्र पढ़ना है, लेकिन सब्सिडियरी के विधार्थियों को यह नहीं पढ़ना है ।
4. स्नातक तृतीय वर्ष में हिन्दी रचना (सामान्य हिन्दी) का पत्र नहीं पढना है ।
5. हिन्दी प्रतिष्ठा में प्रथम वर्ष में पत्र 1 एवं 2 तथा द्वितीय वर्ष पत्र 3 एवं 4 पढ़ना है ।
6. तृतीय वर्ष में 5, 6, 7, अनिवार्य पत्र होंगे । 8 वाँ पत्र विशेष अध्ययन का होगा, जिसमे विधार्थी किसी एक पत्र का चयन कर सकेंगे ।

हिन्दी प्रतिष्ठा के तीन खण्डों में प्रत्येक प्रश्न पत्र - 70 अंकों का होगा । लिखित परीक्षा तीन घंटे की होगी । शेष 30 अंक आंतरिक (विभागीय) मूल्यांकन यथा-मौखिकी, ट्यूटोरियलऔर संगोष्ठी अदि के लिए निर्धारित है ।

स्नातक प्रथम वर्ष

हिन्दी रचना (सामान्य हिन्दी) हिन्दी भाषियों के लिए अनिवार्य

पाठ्य पुस्तकें -:

1. कविता कानन - सं० डॉ० देवदत्त राय - पाठ्यांश पूर्ववत

अथवा

साहित्यधारा - सं० डॉ० शिवाजी नाले/डॉ० इरेश स्वामी - प्रकाशक - ओरिएंट लांगमैन, पटना

पद्य - कबीर, रहीम, बिहारी, मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर'

गद्य - प्रेमचंद, (पूस की रात), चिरंजीत (अख्वारी विज्ञापन), हरिशंकर परसाई (समय काटने वाले), रामबृक्ष बेनीपुरी (वुधिया), महादेवी वर्मा (सबिया)

(छात्र जीवन, राजनीति, प्रकृति, महापुरुष, युद्ध, शांति, रोजगार, शिक्षा पद्दति, खेल, चलचित्र, रेडियो, विज्ञान, साहित्य आदि से सम्बन्धित निबंध)

व्याकरण -: उपसर्ग, प्रत्यय, वाक्य संशोधन, मुहावरे एवं लोकाक्तियाँ, संक्षेपणपल्लवन, पत्र-लेखन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -: हिन्दी रचना के पाठ्य क्रम पर आधारित होंगे ।

अभिस्तावित ग्रंथ

1.	आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	- डॉ० वासुदेव नन्दन प्रसाद
2.	व्याकरण भास्कर	- डॉ० वचन देव कुमार
3.	हिन्दी शब्दानुशासन	- आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
4.	राष्ट्रीय हिन्दी और व्याकरण	- डॉ० जीतेन्द्र वत्स
5.	हिन्दी निबन्ध	- आचार्य निशांतकेतु
6.	हिन्दी निबन्ध	- डॉ० राजनाथ शर्मा
7.	आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ	- डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा'
8.	हिन्दी साहित्य : संवेदना का विकास	- डॉ० राम स्वरुप चतुर्वेदी
9.	हिन्दी के प्राचीन कवि	- डॉ० राम प्यारे तिवारी
10.	हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि	- डॉ० श्री निवास शर्मा

प्रधान हिन्दी

स्नातक प्रथम वर्ष

सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना) अहिन्दी भाषियों के लिए अनिवार्य)

(कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के विधार्थियों के लिए अनिवार्य)

पाठ्यांश -

काव्य कुसुम - सं० - डॉ० रामशकल बिंद - पाठ्यांश पूर्ववत

गध सरित् - (कहानी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र) सं० डॉ० सुनील कुमार - हिन्दी विभाग, म० वि० बोधगया

पाठ्यांश -

कहानी - उसने कहा था, (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), कहानी का प्लॉट (आचार्य शिव पूजन सहाय) पूस की रात (प्रेमचंद), अमृतसर आ गया है, (भीष्म साहनी), काला रजिस्टर (रवीन्द्र कालिया)

निबंध - (क) उत्साह - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(ख) शिरीष के फूल - ह० प्र० द्विवेदी

(ग) लंका की एक रात - कुबेरनाथ राय

संस्मरण एवं रेखाचित्र - घीसा - महादेवी

सुभान खां - बेनीपुरी

दद्धा - सुभद्रा कुमारी चौहान

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास - सं० डॉ० हरवंश लाल शर्मा
3. तुलसीदास - डॉ० वासुदेव सिंह
4. जायसी - डॉ० रामपूजन तिवारी
5. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ० बच्चन सिंह
6. हिन्दी के कृष्णभक्ति काव्य में मधुर भाव की उपासना - डॉ० पूर्णमासी राय
7. जयशंकर प्रसाद - सं० डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. त्रयी - आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री
9. साठोत्तरी हिन्दी कविता परिवर्तित दिशाएँ - डॉ० विजय कुमार
10. निबंध : स्वरुप और मूल्यांकन - डॉ० चन्द्र प्रकाश मिश्र
11. हिन्दी गद्द की नई विधाएँ - डॉ० कैल्श चन्द्र भाटिया

प्रश्न पत्र - I

मध्यकालीन काव्य

(भक्ति एवं रीतिकाव्य)

निर्धारित पाठ्यांश - काव्य-कलश - सं० डॉ० देव्दत्त राय - हिन्दी विभाग, म० वि० बोधगया, पाठ्यांश-पूर्ववत

अथवा

मध्यकालीन हिन्दी काव्य -सं० डॉ० चंदू लाल दूबे, प्र०पूर्णिमा प्रकाशन, धारवाड़

खण्ड - 'क'

1. **कबीर (कुल 5 पद) -** जानहु रे नर सोबहु कह, हरि मोरा पिउ, एक निरंजन अलह मेरा, काहे रे नलिनी, चलन-चलन सबको कहत है,
2. **साखी -** (प्रारंभ से दस सखियाँ)

   जायसी - पद्मावत - केवल गोरा बदल खंड

   सूर - अविगत गति कछु कहत ना आवै, अब हौं नाच्यौ बहुत गुपाल, जसोदा हरिपालने झुलावै, बूझत स्याम कौन तू गोरी, चरन कमल बंदौ, मधुबन तुम कत रहत हरे

   तुलसीदास - रामचरित मानस - अयोध्याकांड - (राम वन गमन प्रसंग)

बिहारी - भक्ति परक दोहे - श्रृंगार परक दोहे

आलोचनात्मक प्रश्न के लिए निम्नांकित इकाइयों में अध्ययन अपेक्षित है -

इकाई 1 - (i) भक्ति आंदोलन की पूर्व पीठिका
(ii) हिन्दी भक्ति काव्य का विकास
(iii) भक्ति काव्य की विविध धाराएँ

इकाई 2 - (i) कबीर की रचनाएँ
(ii) कबीर की समाजिकता
(iii) कबीर की दार्शनिकता

इकाई 3 - जायसी -

(i) जायसी का काव्य परिचय

(ii) पदमावत में सूफी तत्व

(iii) मानसरोदक/गोरा बादल खंड का काव्य सौंदर्य

इकाई 4 - सूरदास

(i) सूर की रचनाएँ

(ii) सूर का वात्सल्य वर्णन एवं सख्य भाव

(iii) सूर की काव्य-कला

इकाई - 5 - तुलसीदास

(i) तुलसीदास की रचनाओं का परिचय

(ii) रामचरितमानस की महत्ता

(iii) अयोध्याकांड 'मानस' की हृदयस्थली

इकाई - 6

(i) रीती सिद्ध कवि के रूप में बिहारी

(ii) बिहारी की श्रृंगार-वर्णन

(iii) बिहारी की काव्य कला

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर की खोज - डॉ० राज किशोर
3. जायसी - विजयदेव नारायण साही
4. सूर साहित्य - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य राम चंद्र शुक्ल
6. मध्यकालीन स्वछंद काव्य धारा - डॉ० मनोहर लाल गौड़
7. बिहारी - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. रीति काव्य की भूमिका - डॉ० नगेन्द्र
9. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - डॉ० सुनील कुमार

प्रश्न पत्र - 2
(गद्द विधाएँ)
(कथा साहित्य, नाटक एवं निबंध)

पाठ्य पुस्तक -

पाठ्यांश -

1. **उपन्यास -** **1. चित्रलेखा** - भगवती चरण वर्मा

   अथवा

   2. जुलूस - फनीश्वरनाथ रेणु

3. नाटक - चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद

4. गद्द तरंग - सं० डॉ० सुनील कुमार

कहानी - सद्गति, कानों में कँगना, शरणदाता, मलवे का मालिक, चीफ की दावत

निबंध - हंस का नीर - क्षीर विवेक, आचरण की सभ्यता, शिरीषं के फूल, आँगन के पंछी

आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 1 -

क. हिन्दी गद्द विधाओं का विकास

ख. हिन्दी कहानी की संक्षिप्त रुपरेखा

ग. हिन्दी निबंध का सामान्य परिचय

घ. हिन्दी उपन्यास की संक्षिप्त रुपरेखा

इकाई 2 -

चित्रलेखा - (क) कथावस्तु (ख) चरित्र चित्रण (ग) उद्देश्य (घ) भाषा शिल्प

जुलूस - (क) कथावस्तु (ख) चरित्र चित्रण (ग) उद्देश्य (घ) भाषा शिल्प

इकाई - 3 - चन्द्रगुप्त - (क) वस्तु (ख) नेता (ग) रस

इकाई - 4 - पठित निबंधों एवं कहानियों का कलात्मक वैशिष्ट्य

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. हिन्दी उपन्यास - रामदरश मिश्र
2. हिन्दी उपन्यास - शिल्प और प्रयोग - डॉ० त्रिभुवन सिंह
3. हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ - डॉ० सुरेन्द्र चौधरी
4. हिन्दी नाटक - डॉ० बच्चन सिंह
5. एकांकी और एकांकीकार - डॉ० रामचरण महेन्द्र
6. निबंध सिद्धांत और प्रयोग - डॉ० हरिहरनाथ द्विवेदी
7. हिन्दी गद्य की नई विधाएँ - डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया

स्नातक, द्वितीय वर्ष
सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना)
(कला, विज्ञान, वाणिज्य के उत्तीर्ण (पास),
एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य

पाठ्यग्रंथ -

1. **कुरुक्षेत्र** - दिनकर

   अथवा

   यशोधरा - मैथिलीशरण गुप्त

2. **अक्षयवट** - डॉ० भूपेन्द्र कलसी - पाठ्यांश-पूर्ववत

गद्य - प्रवाह - सं० डॉ० विजय कु. श्रेष्ठ -यूनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर

पाठ्यांश -

(i) व्यंग्य - मूल्यों का उलटफेर - हरिशंकर परसाई

(ii) रिपोर्ताज - मुक्ति योद्धाओं के शिविर में - विष्णुकांत शास्त्री

(iii) पत्र साहित्य - इतिहास से शिक्षा - पं० जवाहर लाल नेहरु

(iv) वैज्ञानिक निबंध - पर्यावरण और सनातन दृष्टि

(v) ललित निबंध - हल्दी-दूब और दधि-अच्छत विधानिवास मिश्र

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - डॉ० श्री निवास शर्मा
2. मैथिली शरण गुप्त - डॉ० रेवती रमण
3. साठोत्तरी कविता : परिवर्तित दिशाएँ - डॉ० विजय कुमार
4. हिन्दी निबंध और निबंधकार - डॉ० रामचंद्र तिवारी
5. हिन्दी गद्य की नई विधाएँ - डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया

स्नातक, द्वितीय वर्ष
सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना)
उत्तीर्ण (पास) एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए,
(कला, विज्ञान, वाणिज्य के अहिन्दी भाषियों के लिए अनिवार्य)

पाठ्यग्रंथ -

(1) विविधा - सं० डॉ० जीतेन्द्र वत्स, पाठ्यांश-पूर्ववत

अथवा

(2) हिन्दी गद्य-पद्य संग्रह - सं० दिनेश प्रसाद सिंह, प्रकाशन - ओरिएंट ब्लैक्स्वान, पटना

पाठ्यांश -

गद्य खंड

(i) दुलाई वाली - बंग महिला

(ii) खुन का रिश्ता - भीष्म साहनी

(iii) बड़े घर की बेटी - प्रेमचंद

पद्य खण्ड

(i) दोनों ओर प्रेम चलता है - मैथिलीशरण गुप्त

(ii) ले चल वहाँ भुलावा देकर - प्रसाद

(iii) मुरझाया फूल - महादेवी

(iv) समरशेष है - दिनकर

व्यावहारिक हिन्दी रचना में पठनीय -

संक्षेपण, पल्लवन, पत्र-लेखन, आशय-लेखन, वाक्य-संशोधन, शब्द-युग्मों में अंतर -

अभिस्तावित ग्रंथ

1. छायावादी कवि और काव्य - डॉ० देव खरे
2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ० वासुदेव नंदन प्रसाद

स्नातक, द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 2

(कला, विज्ञान, वाणिज्य परीक्षा के लिए अनिवार्य)

उत्तीर्ण (पास) एवं अनुषांगिक (सब्सिडियरी) (कथा साहित्य एवं नाट्य विधाएँ)

पाठ्य पुस्तकें -

उपन्यास - पुरुष और नारी - रजा राधिका रमण प्रसाद सिंह

नाटक - नेत्रदान - रामवृक्ष बेनीपुरी

प्रतिनिधि एकांकी - सं० डॉ० जीतेन्द्र नाथ पाठक/डॉ० सत्येन्द्र सिंह, प्र० - संजय बुक सेन्टर वाराणसी

(i) विक्रमादित्य - डॉ० रामकुमार वर्मा

(ii) ऊसर - भुवनेश्वर

(iii) नये मेहमान - उदयशंकर भट्ट

(iv) लक्ष्मी का स्वागत - उपेन्द्रनाथ अश्क

(v) नेहरु की वसीयत - विष्णु प्रभाकर

(vi) रीढ़ की हड्डी - जगदीश चन्द्र माथुर

कथाकेतु - सं० डॉ० सूर्यदेव सिंह, पाठ्यांश पूर्ववत्

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. हिन्दी उपन्यास - डॉ० सुरेश सिन्हा
2. हिन्दी नाटक उदभव और विकास - डॉ० दशरथ ओझा
3. नयी कहानी - डॉ० नामवर सिंह
4. हिन्दी एकांकी : उदभव और विकास - डॉ० रामचरण महेन्द्र

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 3

आधुनिक काव्य

वर्ग - 'क'

पाठ्यग्रंथ :-

लहर - जयशंकर प्रसाद (मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल, बीती बिभावरी, पेशोला की प्रतिध्वनि)

परिमल - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - बादल राग -6, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुंदरी, तोडती पत्थर, राजे ने रखवाली की

तारापथ - सुमित्रानंदन पन्त - मोह, प्रथम रश्मि, भारतमाता-ग्रामवासिनी

संधिनी- महादेवी -धीरे-धीरे उत्तर क्षितिज से, कौन तुम मेरे हृदय में, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, बीन भी हूँ मैं रागिनी भी हूँ ।

वर्ग - 'ख'

पाठ्यग्रंथ - प्रगतिशील -काव्य धरा- सं० डॉ० भारत सिंह, हिन्दी विभाग, म० वि० बोधगया

अथवा

काव्य कल्प - सं० द्र० बद्रीनारायण सिंह- पाठ्यांश पूर्ववत्

पाठ्यांश :-

माखन लाल चतुर्वेदी - कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा, उलाहना

रामधारी सिंह दिनकर - हिमालय, दिल्ली, विपथगा

केदार नाथ अग्रवाल - मैंने उसको, मुझे नदी से बहुत प्यार है, चंदग्रहना से लौटती वेर

नागार्जुन - मास्टर, यह दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद

अज्ञेय - नदी के द्वीप द्वीप, कलगी बाजरे की, दूर्वादल

अविस्तावित ग्रंथ :-

1. जयशंकर प्रसाद - सं० डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2. प्रसाद का काव्य - डॉ० प्रेमशंकर
3. कवि निराला - डॉ० राम विलास शर्मा
4. क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ० बच्चन सिंह
5. सुमित्रा नंदन पंत : जीवन और दर्शन - शांति जोशी
6. सुमित्रा नंदन पंत - डॉ० नागेन्द्र
7. महादेवी सृजन और शिल्प - डॉ० रणजीत सिंह
8. महादेवी का काव्य - डॉ० चौथीराम यादव
9. युगचारण दिनकर - डॉ० सावित्री सिन्हा
10. अपने समय का सूर्य : दिनकर - डॉ० मन्मथ नाथ गुप्त
11. अज्ञेय कवि और काव्य - डॉ० राजेंद्र प्रसाद
12. अज्ञेय की काव्य संवेदना - डॉ० कमल कुमार
13. यायावर कवि नागार्जुन - डॉ० वीरेन्द्र सिंह
14. नागार्जुन का रचना - संसार - डॉ० विजय बहादुर सिंह
15. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
16. समकालीन काव्य यात्रा - डॉ० नंद किशोर नवल

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 4

(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

इकाई - 1 हिन्दी साहित्य का कल विभाजन और नामकरण

इकाई - 2 आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ एवं रचनाकार

इकाई - 3 आधुनिक कल की पृष्ठभूमि - भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत

इकाई - 4 हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना

इकाई - 5 हिन्दी गद्य की नवीन स्वरुप-रिपोर्ताज, संस्मरण, रेखा चित्र, डायरी लेखन, यात्रा साहित्य

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - आचार्य नंद दुलारे बाजपेयी
4. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिमुलक इतिहास - डॉ० सभापति मिश्र
5. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी
6. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारी प्रसाद द्विवेदी - डॉ० सुनील कुमार

स्नातक, उत्तीर्ण (पास), तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 3

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यग्रंथ -

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास - सामान्य परिचय**

   (क) अदि काल (ख) भक्ति काल (ग) रीतिकाल (घ) आधुनिक काल (ङ) प्रमुख कवि एवं गद्द लेखक

2. **हिन्दी भाषा का स्वरुप विकास**

   (क) हिन्दी की उत्पत्ति और विकास के सोपान

   (ख) हिन्दी भाषा के विविध रूप - बोलचाल की भाषा

   रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा

   (ग) हिन्दी की शब्द-संपदा

   तत्सम, तदभव, देशज, विदेशज, आगत

   (घ) हिन्दी की विभाषाएँ और बोलियाँ

   (ङ) हिन्दी भाषा का मानवीकरण

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी भाषा : विविध आयाम - डॉ० जीतेन्द्र वत्स
4. हिन्दी भाषा का उदभव और विकास - डॉ० उदय नारायण तिवारी
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ० बच्चन सिंह
6. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ० वासुदेवनंदन प्रसाद

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र - 5
(भाषा विज्ञान)

वर्ग 'क'

इकाई - 1 भाषा की परिभाषा, विशेषताएं, भाषा-बोली

इकाई - 2 भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान की उपयोगिता, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई - 3 भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगो का परिचयात्मक अध्ययन (ध्वनि, शब्द, वाक्य और अर्थ विज्ञान)

इकाई - 4 हिन्दी की शब्द-संपदा-शब्द कोटियाँ-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विशेषण व्याकरणिक कोटियाँ - लिंग, वचन, कल, कारक

वर्ग 'ख'

इकाई - 5 हिन्दी भाषा का उद्भभव और विकास, अर्थ भाषाओँ का परिचय ।

इकाई - 6 राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी । हिन्दी का वर्तमान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान - डॉ० भोलानाथ तिवारी
3. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ० बाबूराम सक्सेना
4. भाषा साहित्य और संस्कृति - डॉ० बिमलेश कांति वर्मा
5. राजभाषा हिन्दी विवेचन और प्रयुक्ति - डॉ० किशोर वासवानी
6. हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ० धीरेन्द्र वर्मा

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 6

(भारतीय काव्य शास्त्र और पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत)

इकाई - 1 काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार, शब्द-शक्तियाँ

इकाई - 2 रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय

इकाई - 3 अलंकार और छंद - अलंकार - रूपक, उपमा, अनन्वय, दृष्टांत, विभावना, विरोधाभास, असंगति, अतिशयोक्ति संदेह, भ्रंतिमान, छंद - दोहा, चौपाई, सोरठा, कवित्त सवैया, छप्पय, मंदाक्रांता, दुतविलंबित, इंद्रवज्रा, शिखरिणी, कुंडलिया

इकाई - 4 पाश्चात्य आलोचक - प्लेटो, अरस्तु, मैथ्यू आर्नल्ड, आई० ए० रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय

इकाई - 5 भारतीय समीक्षक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ० नंददुलारे वाजपेयी, डॉ० लक्ष्मी नारायण सुधांशु, डॉ० राम विलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा

अभिस्तावित ग्रंथ:-

1. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास - डॉ० भागीरथ मिश्र
2. काव्यशास्त्र की रुपरेखा - डॉ० श्यामनंदन शास्त्री
3. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज - डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी
4. अलंकार मुक्तावली - आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
5. छंद, बोध और व्याख्या - डॉ० विपिन बिहारिशरण द्विवेदी
6. भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरा - सं० डॉ० नागेन्द्र
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ० विजयपाल सिंह
8. पश्चिमी आलोचना - डॉ० लक्ष्मी सागर वाश्नेर्य
9. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद - डॉ० सत्यदेव मिश्र
10. हिन्दी आलोचना का विकास - डॉ० नंद किशोर नवल
11. हिन्दी समीक्षा : सीमा और संभावनाएँ - डॉ० राम विनोद सिंह
12. काव्यशास्त्र - डॉ० शोभाकांत मिश्र

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

पत्र - 7

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई - 1

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरुप एवं उद्देश्य
2. सर्जनात्मक और प्रयोजनमूलक साहित्य का अंतर
3. हिन्दी भाषा की व्यापकता

इकाई - 2

1. हिन्दी की विविध शैलियाँ
2. प्रयुक्ति के संदर्भ में प्रयोजनमूलक हिन्दी
3. पारिभाषिक शब्दाबली एवं उसके निर्माण के सिद्धांत

इकाई - 3

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रकार एवं लक्षण
2. कार्यालयी हिन्दी : प्रयोग एवं भाषायी लक्षण
3. व्यावसायिक हिन्दी : प्रयोग एवं भाषायी लक्षण

इकाई - 4

1. अनुवाद का अर्थ एवं प्रक्रिया
2. अनुवाद में हिन्दी का प्रयोग
3. अनुवाद में विविध प्रकार

इकाई - 5

1. पत्रकारिता की परिभाषा एवं प्रक्रिया
2. पत्रकारिता में हिन्दी का प्रयोग
3. पत्रकारिता में प्रयुक्त तकनिकी शब्द

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - अनुपम प्रकाशन
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ० रवीन्द्र श्रीवास्तव
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार - रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
4. कामकाजी हिन्दी - डॉ० कैलाश चंद्र भाटिया
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत एवं प्रयुक्ति - डॉ० जितेन्द्र वत्स

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

पत्र - 8

विशेष अध्ययन

(सगुण भक्ति काव्य)

पाठ्यांश

1. **भ्रमरगीत सार** - सूरदास (सं० आचार्य रामचंद्र शुक्ल)
   पद सं. - 6, 9, 10, 108, 109, 114, 116, 125, 130, 134 (कुल 10 पद)
2. **कवितावली -** तुलसीदास - (गीताप्रेस, गोरखपुर)
   अयोध्याकांड - 1, 2, 5, 6, 7, 8, 11, 18, 20, (कुल 10 छंद)
3. **मीरा -** मीराबाई की पदावली सं. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी -
   पद सं. 50 - 54 = कुल 5 पद
4. **रसखान -** (रसखान रचनावली सं. विद्यानिवास मिश्र
   1, 2, 3, 31, 32, 122, 125 = कुल 8 छंद

5. रहीम -

दोहे - (i) ये रहीम दर-दर फिरे, (ii) जैसे तुम हमको करी (iii) अनुचित वचन ना मानिये (iv) जो गरीब परहित करै

बखै - (i) कासन कहै सदेसवा (ii) बहुत दिना पर पियवा (iii) लैके सुधर सुरुपिया

इकाई - 1

1. सूरदास की कविता के आधार स्त्रोत
2. भ्रमरगीत का दार्शनिक पक्ष
3. सूर की काव्यभाषा

इकाई - 2

1. तुलसीदास का लोकमंगल
2. दर्शन एवं भक्ति
3. काव्यभाषा - शैली

इकाई - 3

1. मीरा की कृष्णभक्ति
2. प्रेम का स्वरुप
3. गेयता एवं भाषा शैली

इकाई - 4

1. कृष्णभक्ति परम्परा और रसखान
2. ब्रजभूमि का वर्णन
3. काव्यभाषा एवं काव्य रूप

इकाई - 5

1. रहीम का काव्य
2. नायक - नायिका भेद
3. नीति परक दोहे

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. सुरसहित्य - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य राम चंद्र शुक्ल
3. परम्परा का मूल्यांकन - डॉ० रामविलास शर्मा
4. मीरा एक पुर्नमूल्यांकन - सना. पल्लव
5. रसखान - श्री श्यामसुन्दर व्यास
6. भक्तिकाव्य और लोक जीवन - डॉ० शिवकुमार मिश्र
7. मीराबाई - डॉ० श्रीकृष्ण लाल
8. रसखान व्यक्तित्व और कृतित्व - डॉ० माजदा असद

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

पत्र - 8

(विशेष अध्ययन)

दलित साहित्य और स्त्री विमर्श

पाठ्यांश

उपन्यास - (क) धरती धन ना अपना - जगदीश चंद्र

(ख) अंतिम आदमी - हरिवंश नारायण

(ग) मित्रो मरजानी - कृष्णा सोबती

कहानियाँ - ठाकुर का कुआँ - प्रेमचंद, शवयात्रा - ओम प्रकाश वाल्मीकि, बदबू - सूरजपाल चौहान

आत्मकथा - अपने-अपने पिंजरे - मोहनदास नैमिशारण्य

चिंतन - श्रृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा

इकाई - 1

1. दलित साहित्य का वैचारिक आधार
2. जाती व्यवस्था एवं छुआछुत
3. आधुनिक भारत में दलित

इकाई - 2 - स्त्री विमर्श :

1. पुरुष प्रधान समाज और स्त्री
2. आधुनिक भारत में स्त्री
3. स्त्रीवाद की अवधारणा एवं स्त्री-आंदोलन

इकाई - 3

1. धरती धन न अपना - कथावस्तु, चरित्र-चित्रण, दलित जीवन की त्रासदी
2. अंतिम आदमी - कथावस्तु उद्देश्य
3. मित्रो मरजानी - कथावस्तु मित्रो का चरित्रांकन, स्त्री मुक्ति के रास्ते की पहचान

इकाई - 4

1. पठित कहानियों में दलित जीवन-चित्र
2. 'अपने-अपने पिंजरे' की कथावस्तु, समाज का यथार्थ
3. आत्मवृत

इकाई - 5

1. स्त्रीमुक्ति का प्रथम दस्तावेज
2. स्त्री मुक्ति का स्वप्न
3. बंधनों की पहचान

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र - ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. लोकतंत्र में भागीदारी का सवाल और दलित साहित्य की भूमिक - जयप्रकाश कर्दम
3. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग - कुसुम मेघवाल
4. दलित कहाँ जाएँ - जियालाल आर्य
5. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में - डॉ० चमनलाल
6. देह की राजनीति से देश की राजनीतिक - मृणाल पांडेय
7. औरत होने की सजा - अरविन्द जैन
8. औरत के हक़ में - तसलीमा नसरीन
9. परिधि एअक स्त्री - मृणाल पांडेय
10. स्त्रीत्व का मानचित्र - अनामिका

अष्ठम पत्र

विशेष अध्ययन

लोक-साहित्य

पाठ्यांश

लोक और लोकवार्ता, लोकवार्ता और लोक विज्ञान, लोक संस्कृति : अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन की परम्परा, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीत लोकनाट्य, लोककथा, लोकनृत्य, लोकगीत स्वरुप एवं भेद, लोकगीत की विशेषता, लोकनाट्य के भेद, लोकनाट्य की विशेषता, लोकगाथा के भेद एवं विशेषता, लोकनृत्य का स्वरुप विशेषता, मुहावरा स्वरुप एवं विशेषता, पहेलियों का स्वरुप एवं विशेषता

व्याख्या के लिए पुस्तक -

1. मगही संस्कार गीत-गीत संख्या - 1 से 15 तक
2. भोजपुरी संस्कार गीत-गीत संख्या - 1 से 15 तक
3. मैथिलि संस्कार गीत-गीत संख्या - 1 से 15 तक

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ० त्रिलोचन पाण्डेय
2. लोक साहित्य:स्वरुप और मूल्यांकन - डॉ० श्रीराम शर्मा
3. लोक साहित्य का शास्त्रीय अनुशीलन - महेश कुमार
4. लोक संस्कृति की रूप रेखा - डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय
5. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ० दिनेश्वर प्रसाद
6. लोक साहित्य विज्ञान - डॉ० सत्येन्द्र
7. लोक साहित्य - डॉ० जवाहर एवं डॉ० स्वर्णलता अग्रवाल
8. लोक साहित्य - श्री इन्द्रदेव सिंह
9. लोक गीतों की सामाजिक व्याख्या - श्रीकृष्ण दास
10. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम - श्री शांति जैन
11. भारतीय लोक नाट्य - डॉ० वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
12. बिहार के लोक नाट्यों की प्रमुख शैलियों का विवेचन - रेखा दास
13. मगही भाषा और साहित्य - डॉ० सम्पति अर्याणी

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

पत्र - 8

(विशेष अध्ययन)

हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यांश

इकाई - 1

1. पत्रकारिता की परिभाषा और उद्देश्य
2. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता
3. स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी पत्रकारिता
4. स्वातंत्रयोत्तर पत्रकारिता

इकाई - 2

1. समाचार का तात्पर्य
2. समाचार के विविध स्रोत
3. संपादन कला के सिद्धांत

इकाई - 3

1. साक्षात्कार के प्रकार
2. शीर्षक का महत्त्वऔर प्रकार
3. फीचर लेखन और उसका उद्देश्य

इकाई - 4

1. संपादकीय टिप्पणियाँ
2. अग्रलेख
3. स्तंभ लेखन

इकाई - 5

1. मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान
2. प्रूफ रीडिंग
3. मेकअपऔर पृष्ठ संरचना

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम - वेद प्रताप वैदिक
2. हिन्दी समाचापत्रों का इतिहास - अंबिका प्रसाद वाजपेयी
3. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ० कृष्ण बिहारी सिंह
4. संपादन कला - के० पी० नारायण
5. मुद्रण कला - छविनाथ पांडेय
6. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता - डॉ० वंशीधर लाल
7. भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ० वंशीधर लाल
8. पत्रकारिता के विविध संदर्भ - डॉ० वंशीधर लाल
9. पत्रकारिता : सिद्धांत और प्रयुक्ति - डॉ० जितेन्द्र वत्स
10. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ० अर्जुन तिवारी